MR. CHAIRMAN: Question No. 144. *(Interruptions)*

I have passed on to the next question.

Information about overcharging of prices of drugs from M/s. Carews Pharmaceuticals

*144. SHRI H. HANUMANTHAPPA: CHOWDHARY RAM SKWAK: t Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 2232 given in the Rajya Sabha on the 27th August, 1990 and state:

(a) whether it is a fact that his Ministry have not yet received the information as required about overcharging of prices of drugs from M/s. Carews Pharmaceuticals; and

(b) if so, what action has been taken against the company?

THE MINISTER OF PETROLEUMS, CHEMICALS AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA): (a) and (b) Or. receipt of complaints relating to overcharging of price of combifiam tablets M/s. Carews Pharmaceuticals were issued a show Cause Notice calling inter alia upon them to make available the details of stock, production etc. of Combifiam tablets so that the amount overcharged by them could be determined. The Company did not furnish the full details as were asked for. The Company has been heard and legal opinion has been taken. Now a final decision will be taken by the Government shortly.

CHOWDHARY RAM SEWAK: Messrs Carews Pharmaceuticals have been found overcharging Rs. 4. 15 per strip of ten tablets of Combifiam as admitted in reply to Rajya Sabha Unstarred Question No. 3 on 24th April 1989 after examining all aspects. Then why has no penal action been taken-under provision 29 of the Drug Prices Control Orde^ 1979 against the company for the last three years when provision 29 empowers the Central Government to take penal action in accordance with the provisions of the Essential Commodities Act?

fThe question was actually asked on the floor of the House by Chowdhary Ram Sewak.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: As I have already replied, legal opinion has been obtained and we are examining the matter, and as soon as the examination ig complete, if need be, we will prosecute the company.

श्री चतुरानन मिश्र : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही दयनीय स्थिति है, जैसा कि मंत्री महोदय के जवाब में है कि "that the company did not furnish full details as had been asked for,"

तो यह तो बहुत चिन्ता का विषय है कि हमारी सरकार किसी कम्पनी से कुछ पूछती है, तो जवाब भी नहीं मिलता । तो मैं जानना चाहूंगा कि सरकार को कब शिकायत मिली ? क्योंकि आप तो बहुत जल्दी आये हैं, इसी बीच में सब काम हुआ होगा, ऐसी बात नहीं है ।

तो सरकार को कब शिकायत मिली, कब आपने नोटिस दिया और तीसरा मंत्री महोदय, आपको कब सूचना मिली यह प्रश्न उठाने के पहले या बाद में और आपने इसके बाद क्या कार्यवाही की ? इन तीनों बिन्दुओं पर जरा सफाई दीजिये, क्योंकि ये जो ड्रग कम्पनियां हैं, यह दाम बढ़ा चढाकर हमारे देश की जनता को लूट रही है और इसका कारण है सरकार की असमर्थता । तो आप इन तीनों बिन्दुओं पर कृपया जवाब दें ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : जो दयनीय स्थिति है, उसी स्थिति को सुधारने का हम लोग प्रयास कर रहे हैं । . . . . **(व्यवधान)** . . .

श्री चतुरानन मिश्र : आप दोनों स्थिति में थे । आप ही थोड़ा बदल गये हैं, स्थिति नहीं बदली है ।

श्री स य प्रकाश मालवीय : आप दोनों स्थिति में थे। आप ही थोड़ा बदल गये हैं, स्थिति नहीं बदली है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : तो इसमें जो कम्पनी हैं, उसको दो बार नोटिस जारी की गयी। . . . . **(व्यवधान)** . . . .

श्री चतुरानन मिश्र : हमने जो बहुत परटिकुलर पूछा है कि गवर्नमेंट को कब पहली शिकायत मिली ? कम्पनी को कब नोटिस दिया गया ? मंत्री महोदय की सूचना में कब आप और इसके बाद क्या कार्यवाही हुई ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : अन्तिम प्रश्न का उत्तर पहले दूं कि मंत्री की जानकारी में तो यह बात तब आई, जब इसका जवाब देने के लिये यह उत्तर मेरे पास आया। दूसरा जो जबाब मिला है, उनको नोटिस दिया गया, उन्होंने जवाब नहीं दिया, 11 मई, 1990 को। तो दोबारा नोटिस जारी की गयी कि 7 जून, 1990 को आकर जवाब दें। फिर कम्पनी ने जवाब दिया और 23 अगस्त, 1990 को सुनवाई की गयी और सुनवाई करने के बाद जैसा कि मैंने माननीय सदस्य चौधरी राम सेवक को उत्तर दिया है कि इनका प्रासिक्यूशन होना है या नहीं होना है, इस पर हम विचार कर रहे हैं और बहुत जल्दी उस पर निर्णय लेंगे और एसेंश्यिल कमोडिटीज एक्ट के अन्तर्गत ही इस पर मुकदमा चलाने का प्रावधान है।

श्री चतुरानन मिश्र : यह काम कब कर रहे हैं ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : बहुत जल्दी।

श्री चतुरानन मिश्र : बहुत जल्दी मतलब ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : फौरन से पेश्तर।

श्री चतुरानन मिश्र : आपको भी कम समय है, इसलिये जल्दी बता दीजिये।

SHRI MOHD. KHALEEUR RAHMAN: Despite the Government directions to the company to provide details and despite the directions to the Drug Controller, West Bengal, to take action, neither has the information been furnished by the company nor has any legal action been taken against the ! company, inspite the fact that the company violated the provisions of the Drug Prices Control Order. I, therefore, want to know what action the Government is taking.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: I have already replied to the question saying that the Government is seized of the matter and we will take action as soon as possible. Mr. Chairman: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Speedy Clearance of passenger Baggage at Airports

*145. KUMARI ALIA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have formulated any scheme for the speedy clearance of passenger baggage at the airports;

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI HARMOHAN DHAWAN): (a) and (b) It is the constant endeavour of the Government to improve passenger facilitation in this regard. Steps taken to speed up the clearance of baggage at airports include:

(i) Better maintenance and upgradation of equipment at the airports;

(ii) Close coordination between the Airport Authorities and the Airlines;